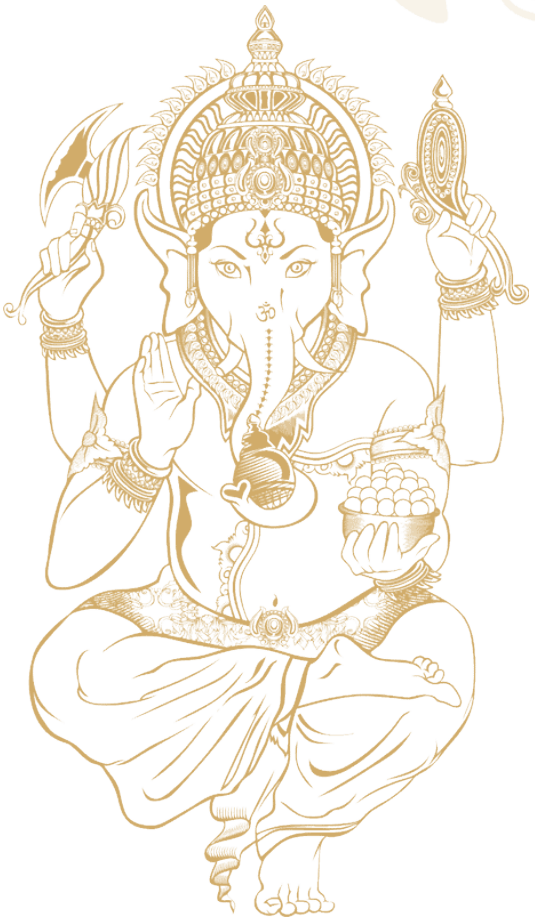

Sagar

Priti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120628404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/10/1993	जन्म तिथि	18-19/10/1993
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 08:03:00	जन्म समय	04:30:00 घंटे
घटी 04:13:59	जन्म समय(घटी)	55:15:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Brahmakund
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	27:52:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	96:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	00:55:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:21:24	सूर्योदय	05:10:26
17:53:42	सूर्यास्त	16:32:34
23:46:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 2मा 10दि	18:07:43	तुला	लग्न	कन्या	22:52:37	बुध 13वर्ष 1मा 15दि
राहु	26:59:29	कन्या	सूर्य	तुला	01:48:23	शुक्र
25/12/2011	07:20:31	कन्या	चंद्र	वृश्चि	19:42:22	03/12/2013
24/12/2029	17:50:16	तुला	मंगल	तुला	21:12:11	03/12/2033
राहु 06/09/2014	21:50:20	तुला	बुध	तुला	26:00:16	शुक्र 04/04/2017
गुरु 30/01/2017	00:20:24	तुला	गुरु	तुला	01:23:41	सूर्य 04/04/2018
शनि 07/12/2019	03:52:09	कन्या	शुक्र	कन्या	09:53:00	चन्द्र 04/12/2019
बुध 25/06/2022	00:01:36	कुंभ व	शनि व	मक	29:55:52	मंगल 02/02/2021
केतु 14/07/2023	10:02:10	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	09:46:27	राहु 03/02/2024
शुक्र 13/07/2026	10:02:10	वृष व	केतु	वृष	09:46:27	गुरु 04/10/2026
सूर्य 07/06/2027	24:34:14	धनु	हर्ष	धनु	24:38:56	शनि 03/12/2029
चन्द्र 06/12/2028	24:39:19	धनु	नेप	धनु	24:41:58	बुध 03/10/2032
मंगल 24/12/2029	00:19:30	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	00:29:50	केतु 03/12/2033

लग्न-चलित

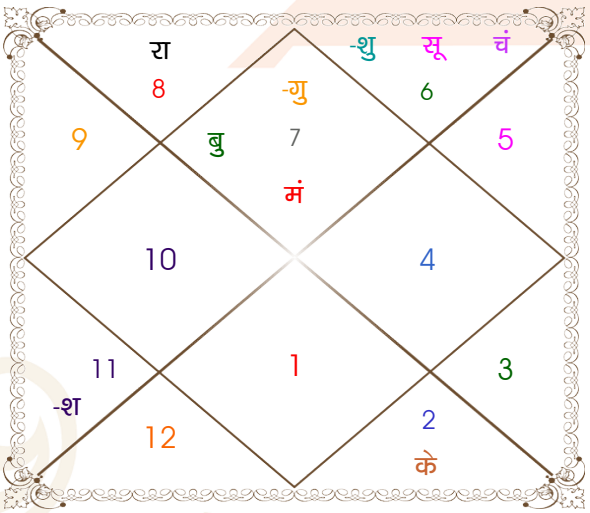

लग्न-चलित

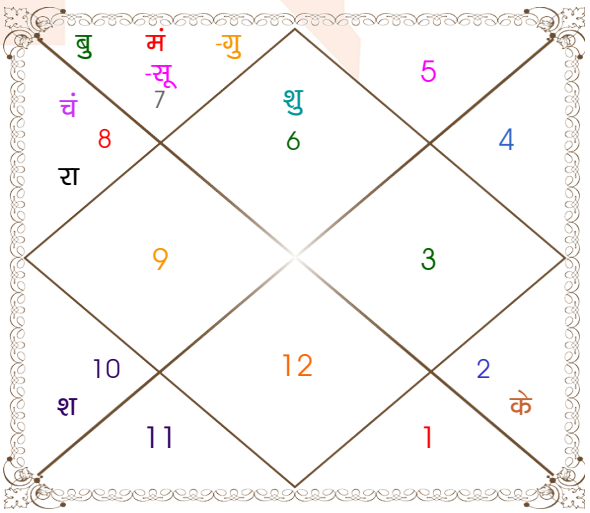

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Sagar का वर्ग मूषक है तथा च्तपजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sagar और च्तपजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Sagar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Sagar कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तपजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्तपजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sagar तथा च्तपजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।